विख्यात वैज्ञानिक श्री ए. के. बालासुब्रमणियन ने एईआरबी के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

श्री ए. के. बालासुब्रमणियन ने 1 जनवरी, 2026 को निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. डी.के. शुक्ला से परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

कार्यभार सौंपने का समारोह मुंबई स्थित एईआरबी के अध्यक्ष कार्यालय में एईआरबी की परियोजना सुरक्षा समीक्षा सलाहकार समिति (एसीपीएसआर) के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.के. मेहता, एईआरबी के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.एस. बजाज और श्री एस.ए. भारद्वाज तथा एईआरबी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यभार ग्रहण करने से पहले, श्री बालासुब्रमणियन ने प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (एनपीपी) के लिए परियोजना डिजाइन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष और एईआरबी के परिचालन संयंत्रों के लिए सुरक्षा समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

श्री बालासुब्रमण्यम, एक विशिष्ट वैज्ञानिक हैं, जो एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जिन्होंने परमाणु इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और वे भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (FNAE) के फेलो हैं। उन्हें नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के डिजाइन, विकास, सुरक्षा मूल्यांकन, निर्माण और कमिशनिंग में लगभग 40 वर्षों का अनुभव है, और विशेष रूप से दबित भारी पानी रिएक्टरों से संबंधित एजिंग प्रबंधन रणनीतियों के विकास में उनका व्यापक अनुभव है। नवीन डिजाइन और सुरक्षा सुविधाओं से युक्त कई तरह के प्रथम-प्रकार (एफओएके) प्रणालियों के डिजाइन और विकास में उनके योगदान और पीएचडब्ल्यूआर प्रौद्योगिकी के स्वदेशीकरण के प्रयासों के कारण, उन्हें रिएक्टर प्रौद्योगिकियों में एक सर्वांगीण विशेषज्ञ माना जाता है। पीएचडब्ल्यू के अलावा, उन्हें विभिन्न रिएक्टर प्रौद्योगिकियों का भी अच्छा ज्ञान है। इससे पहले वे भारतीय नाभिकीय ऊर्जा निगम लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने परमाणु रिएक्टर प्रौद्योगिकी और सुरक्षा पर कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और चर्चाओं में भाग लिया था।